न्यूज डायरी

ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के कैंटीन में बीफ पर लगा बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनियाभर में प्रतिष्ठित ऑक्ब्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कैंटीन में बीफ और मेमने का मांस परोसने पर बैन लगाने के फैसले का समर्थन किया है। यूनिवर्सिटी के छात्र संगठन ने साप्ताहिक छात्र परिषद की बैठक में दो तिहाई बहुमत से बीफ और मेमने के मांस पर कैंटीन में बैन लगाने का समर्थन किया। छात्रों ने यह फैसला जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए लिया है। यही नहीं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का छात्र संगठन अब यूनिवर्सिटी प्रशासन से कैंपस के अंदर बनी खानी की दुकानों, लाइब्रेरी अैर अन्य इमारतों के अंदर मीट परोसने पर बैन लगाने की मांग करेगा। उधर, यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में सभी अलग–अलग इस बैन के बारे में फैसला करना होगा। 22 हजार छात्रों के सदस्यता वाले प्रभावशाली छात्र परिषद के फैसले से विश्वविद्यालय के नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा लेकिन वह यूनिवर्सिटी के निर्णय निर्माण प्रक्रिया में छात्रों का प्रतिनिधित्व करती है।

मॉडल की तस्वीर लाइक कर ट्रोल हुए पोप फ्रांसिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेटिकन सिटी। ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से बिकिनी पहने ब्राजीलियाई मॉडल की भड़काऊ तस्वीर लाइक किए जाने से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। एक सोशल मीडिया यूजर के पोप के इंस्ट्राग्राम अकाउंट का मॉडल की तस्वीर को लाइक करने का स्क्रीनशॉट वायरल हो गया। इस तस्वीर में ब्राजीलियाई मॉडल नतालिया गरिबोटो एक स्कूल गर्ल के यूनिफॉर्म में नजर आ रही हैं। इस बेहद भड़काऊ तस्वीर में नतालिया किताबों को लॉकर में रखती नजर आ रही हैं। स्क्रीनशॉट में नजर आ रहा है कि पोप फ्रांसिस के अलावा 133,000 लोगों ने नतालिया (27) की इस तस्वीर को लाइक किया है। उधर, ट्रोल होने के बाद नतालिया ने मजाक में कहा कि वह अपने ट्विटर फॉलोवर्स के साथ वेटिकन जाने वाली हैं। नतालिया ने कहा कि मेरी मां ने इस तस्वीर को नकार दिया लेकिन पोप को यह पसंद आई। कम से कम मैं स्वर्ग जा रही हूं।

भारत और चीन में Sputnik-V टीके का उत्पादन किया जा सकता हैः पुतिन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को BRICS देशों से कोरोना वायरस का टीका विकसित करने के लिए संयुक्त प्रयास का आह्वान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि रूस की विकसित कोविड–19 के टीके Sputnik-5 का उत्पादन चीन और भारत में किया जा सकता है, जो पांच देशों के समूह के सदस्य हैं। पुतिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 12वें BRICS शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, श्हमारा मानना है कि BRICS देशों द्वारा टीकों के विकास और अनुसंधान के लिए केंद्र की स्थापना को गति देना महत्वपूर्ण है, जिसे हम अपने दक्षिण अफ्रीकी दोस्तों की पहल पर करने के लिए सहमत हुए थे। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने भाग लिया। इसकी मेजबानी राष्ट्रपति पुतिन ने की।

इराक में अमेरिकी दूतावास के पास रॉकेट से हमला, बच्चे की मौत, 5 घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में अत्यधिक सुरक्षा घेरे में स्थित ग्रीन जोन इलाके में अमेरिकी दूतावास को लक्ष्य करके किए गए रॉकेट हमले में एक बच्चे की मौत हो गई है और कम से कम 5 लोग घायल हो गए हैं। ये रॉकेट हमले ऐसे समय पर हुए जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इराक में मौजूद अमेरिकी सैनिकों की संख्या को 3 हजार से घटाकर 2500 करने का फैसला किया है। इराकी सेना ने बताया कि एक रॉकेट देश के नैशनल सिक्यॉरिटी सर्विस के पास गिरा जो अमेरिकी दूतावास से मात्र 600 मीटर दूर है। सेना ने कहा कि इसके अलावा कुछ रॉकेट को अमेरिका के सी–रैम एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया।

चीन के कर्ज के जाल पर मालदीव के पूर्व पीएम का छलका दर्द

दादी की जूलरी बेचकर भी नहीं चुका सकते चीन का कर्ज

चिंता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

माले। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट बेल्ट एंड के नाम पर कर्ज के जाल में बुरी तरह से फंसे मालदीव को कर्ज चुकाने में पसीने छूट रहे हैं। हालत यह है कि मालदीव की सरकार को अपनी कुल आय का 53 प्रतिशत हिस्सा कर्ज चुकाने में खर्च करना पड़ रहा है। इसमें से 80 फीसदी पैसा चीन को लौटाना पड़ रहा है। चीनी कर्ज के मकड़जाल में फंसे मालदीव के पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद नशीद का ट्विटर पर दर्द छलक उठा। नशीद ने कहा कि हम अपनी दादी मां की जूलरी बेचकर भी ड्रैगन का यह कर्ज नहीं चुका सकते हैं।

वर्तमान समय में मालदीव की संसद के स्पीकर नशीद ने ट्वीट करके कहा, हम आज संसद (मजलिस) में वर्ष 2021 के बजट पर चर्चा कर रहे हैं। मालदीव के कर्ज का भुगतान अगले साल सरकार की कुल आय का 53 फीसदी होगा। कर्ज के इस

भुगतान में से 80 फीसदी पैसा चीन को जाएगा। यह पूरी तरह से वहन करने योग्य नहीं है। अगर हम अपनी दादी मां की जूलरी भी बेच दें तो भी हम इस कर्ज का भुगतान नहीं कर सकते हैं।

मालदीव चीन के कर्ज के पहाड़ तले दबता जा रहाः बता दें कि बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट के नाम पर पूरी दुनिया को कर्ज के जाल में फंसा रहा चीन अब अपने मकसद में पूरी तरह से सफल होता दिख रहा है। श्रीलंका के बाद अब भारत का एक और पड़ोसी देश एवं अभिन्न मित्र मालदीव चीन के कर्ज के पहाड़ तले दबता जा रहा है।

मालदीव सरकार के मुताबिक देश पर चीन का 3.1 अरब डॉलर का भारी–भरकम कर्ज है। वह भी तब जब मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था करीब 5 अरब डॉलर की है। कोरोना संकट में अब मालदीव को डिफाल्ट होने का डर सता रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर करती है। कोरोना वायरस संकट की वजह से मालदीव के पर्यटन सेक्टर पर बहुत बुरा असर पड़ा है। मालदीव को टूरिज्म से हर साल करीब दो अरब डॉलर की कमाई होती है लेकिन कोरोना की वजह से इसके एक तिहाई कम होने के आसार हैं। अगर कोरोना वायरस बना रहा तो मालदीव को इस साल 70 करोड़ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

चीन का कुल कर्ज करीब 3.1 अरब डॉलरः मालदीव की संसद के स्पीकर मोहम्मद नशीद कहते हैं कि देश पर चीन का कुल कर्ज करीब 3.1 अरब डॉलर है। इसमें सरकारों के बीच लिया गया लोन, सरकारी कंपनियों को दिया गया लोन तथा प्राइवेट कंपनियों को दिया गया लोन शामिल है जिसे गारंटी मालदीव सरकार ने दी है। नशीद को यह डर सता रहा है कि मालदीव चीन के कर्ज के जाल में फंस सकता है। नशीद ने देश में जिन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट के लिए चीन से लोन लिए गए, उनकी व्यवहारिकता पर सवाल उठाए।

एस–400 टेस्ट पर तुर्की के राष्ट्रपति ने अमेरिका को दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। रूस के एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर नाटो के दो सदस्य देशों अमेरिका और तुर्की के बीच तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने सुपरपावर अमेरिका को खुलेआम धमकी दी है। एर्दोगान ने कहा कि अमेरिका नहीं जानता है कि वह किसका सामना कर रहा है। हम कोई कमजोर राष्ट्र नहीं बल्कि तुर्की हैं। उन्होंने एक बार फिर से स्पष्ट किया कि तुर्की रूस से खरीदे गए एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम का परीक्षण बंद नहीं करेगा।

एर्दोगान ने रविवार को मलाटया शहर में कहा, अमेरिका नहीं जानता है कि वह किसका सामना कर रहा है। आपने हमसे कहा कि हम एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को रूस को वापस कर दें लेकिन हम कोई कमजोर राष्ट्र नहीं हैं। हम तुर्की हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, आप (अमेरिका) हमारे खिलाफ जो कुछ भी प्रतिबंध लगाना चाहते हैं, लगा दीजिए। देर मत करिए। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिका को F–35 फाइटर जेट के लिए पैसा दिया है लेकिन अभी तक हमें फाइटर जेट नहीं मिला है। बता दें कि रूस के एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्ट्म को लेकर अमेरिका और तुर्की के बीच विवाद गंभीर रूप लेता जा रहा है।

आसमान से घर में गिरा अनमोल खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंडोनेशिया। कहते हैं कि जब ईश्वर किसी को देता है तो छप्पर फाड़कर देता है। 33 साल के जोसुआ हुतागलुंग के घर पर आसमान से एक अनमोल खजाना गिर और वह देखते ही देखते 10 करोड़ रुपये के मालिक बन गए। दरअसल, जोसुआ के घर पर आकाश से एक बड़ा सा उल्कापिंड गिरा। यह करीब साढ़े 4 अरब साल पुराना दुर्लभ उल्कापिंड है। इस आकाश से गिरे पत्थर का वजन करीब 2.1 किलोग्राम है। उल्ब्कापिंड के गिरने से उनके घर की छत में बड़ा सा छेद हो गया। आकाश से गिरा यह पत्थर जोसुआ के आर्थिक संकट को दूर कर गया। इस उल्कापिंड के बदले जोसुआ को 14 लाख पाउंड या करीब 10 करोड़ रुपये मिले हैं।

हिंद महासागर पर राज करने के ड्रैगन के मंसूबे को अमेरिका का करारा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। हिंद महासागर पर राज करने के चीनी ड्रैगन के मंसूबे को अमेरिका ने करारा झटका दध्या है। अमेरिकी नौसेना के प्रमुख केनेथ ब्रेथवेट ने कहा है कि वह हिंद महासागर में यूएस नेवी का एक नया कमांड बनाना चाहते हैं। इस कमांड के पास हिंद महासागर के साथ–साथ उससे लगे प्रशांत महासागर के इलाके में निगरानी का जिम्ब्मा होगा। केनेथ ब्रेथवेट ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब भारत और अमेरिका की नौसेनाएं जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अंडमान के पास हिंद महासागर में मालाबार युद्धाभ्यास कर रही हैं।

हिंद महासागर में नया कमांड बनाएगी अमेरिकी नौसेना

केनेथ ने कहा, हम जापान के 7वें बेड़े पर केवल भरोसा नहीं कर सकते हैं। हमें अपने अन्य सहयोगियों और भागीदारों जैसे सिंगापुर और भारत को देखना होगा। यही नहीं अगर बहुत जरूरी हुआ तो वास्तव में एक बेड़ा रखना होगा। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नेवी का यह नया कमांड हमें एक अभेद्य प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेगा, इसलिए हम एक फर्स्ट फ्लीट बनाने जा रहे हैं।

50 साल पहले अमेरिका ने फर्स्ट फ्लीट को भंग कर दिया थाः दरअसल, चीन की बढ़ती भूराजनीतिक महत्वाकांक्षा से निपटने के लिए अमेरिकी सेना न केवल भारत के साथ बल्कि इस इलाके के अन्य देशों जैसे सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रही है। इससे पहले अमेरिका की फर्स्ट फ्लीट वर्ष 1947 से 1973 तक पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका के नौसैनिक ऑपरेशन का काम देखती थी।

अभी तक जापान में स्थित अमेरिका के सातवें बेड़े के पास हिंद महासागर को देखने की जिम्ब्मेदारी है। यही वही सातवां बेड़ा है जो वर्ष 1971 में बांग्ब्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान भारत के खिलाफ रवाना हुआ था। इस संबंध में केनेथ ने पूर्व रक्षा मंत्री मार्क से एस्पर से भी वार्ता की थी।

चीन के पास अगला दलाई लामा चुनने का कोई धार्मिक आधार नहीं हैः अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि चीन के पास अगला दलाई लामा चुनने का कोई धार्मिक आधार नहीं है और बौद्ध धर्म के तिब्बती अनुयायी सैकड़ों साल से अपना आध्यात्मिक नेता सफलतापूर्वक चुनते आए हैं। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिका के विशेष राजदूत (एम्बेसेडर एट लार्ज) सैमुएल डी ब्राउनबैक ने अक्टूबर में भारत की अपनी यात्रा को याद करते हुए एक कांफ्रेंस कॉल के दौरान कहा कि वह भारत के धर्मशाला में तिब्बती समुदाय से बात करने और उन्हें यह बताने गए थे कि ''अमेरिका चीन द्वारा अगला दलाई लामा चुने जाने के खिलाफ है।'' उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''उनके पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। उनके पास ऐसा करने का कोई धार्मिक आधार नहीं है। बौद्ध धर्म के तिब्बती अनुयायी सैकड़ों बरसों से अपना नेता सफलतापूर्वक चुनते आए हैं और उनके पास अब भी ऐसा करने का अधिकार है।'' ब्राउनबैक ने कहा कि अमेरिका इस बात का समर्थन करता है कि धार्मिक समुदायों को अपना नेता चुनने का अधिकार है।